YOJANASEWA.COM

https://yojanasewa.com

सीतापुर 8 जुलाई से स्कूलों पर बड़ा एक्शन, जब्त होंगे वाहन!

विषय सूची (Table of Contents):

>> सीतापुर न्यूज़ मिशन सेफ फ्यूचर के तहत स्कूली वाहनों की सख्त जांच शुरू...

>> सुरक्षित यातायात के लिए प्रशासन की बड़ी मुहिम...

>> एआरटीओ का अल्टीमेटम 7 जुलाई तक फिटनेस और परमिट दुरुस्त करने का निर्देश...

>> वाहन पोर्टल पर ऑनलाइन चेक करें स्टेटस (Status Check)...

>> 8 जुलाई से होगी बड़ी कार्रवाई नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर गिरेगी गाज...

>> क्या होगी दंडात्मक कार्रवाई?...

>> अभियान के लिए सात विशेष टीमों का गठन जानें किस अधिकारी को मिली कौन सी जिम्मेदार...

>> क्षेत्रवार अधिकारियों की तैनाती सूची (Official Duty List)...

>> सीतापुर के 171 विद्यालयों पर प्रशासन की नजर 697 स्कूली वाहन जांच के रडार पर...

>> स्कूलों को जारी किया गया कड़ा नोटिस...

>> अभियान का पहला दिन एआरटीओ ने कई स्कूलों में किया वाहनों का औचक निरीक्षण...

>> पहले दिन की जांच में क्या कमियां मिली?...

>> बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नही प्रशासन की इस अहम पहल का असर...

>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)...

सीतापुर न्यूज़: मिशन सेफ फ्यूचर के तहत स्कूली वाहनों की सख

उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले से स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। परिवहन विभाग ने स्कूली वाहनों के खिलाफ एक व्यापक और कड़ा अभियान शुरू किया है, जिसे मिशन सेफ फ्यूचर (Mission Safe Future)नाम दिया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्कूली बसों, वैन और अन्य परिवहन साधनों की सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करना है।

प्रशासन की ओर से साफ कर दिया गया है कि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। इस नवीनतम अपडेट (latest update) के बाद पूरे जिले के स्कूल प्रबंधकों और वाहन स्वामियों में हड़कंप मच गया है। परिवहन विभाग की इस मुहिम से सड़कों पर दौड़ रहे अनफिट वाहनों पर पूरी तरह से लगाम लगाई जा सकेगी।

सुरक्षित यातायात के लिए प्रशासन की बड़ी मुहिम

सीतापुर के एआरटीओ प्रशासन सर्वेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में इस विशेष अभियान का खाका तैयार किया गया है। अधिकारियों का कहना है

कि शैक्षणिक सत्र 2026 के शुरू होने के साथ ही स्कूली बच्चों की सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता पर रखा गया है। विभाग का प्रयास है कि कोई भी स्कूली वाहन बिना वैध परमिट और फिटनेस सर्टिफिकेट के सड़क पर न उतरे।

इसी तरह देश के अन्य हिस्सों में भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं, जैसे हाल ही मेंशुरू हुई अमरनाथ यात्रा 2026: पहला जत्था रवाना, जानें रूट और सुरक्षा!के तहत सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं, वैसे ही स्थानीय स्तर पर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

एआरटीओ का अल्टीमेटम: 7 जुलाई तक फिटनेस और परमिट दुरुस्त करने

सीतापुर के एआरटीओ (ARTO Administration) सर्वेश चतुर्वेदी ने सभी स्कूल प्रबंधकों और वाहन मालिकों को एक कड़ा अल्टीमेटम जारी किया है। उन्होंने बताया कि अभियान के पहले चरण के तहत स्कूल प्रबंधन को अपने सभी वाहनों के दस्तावेज दुरुस्त करने का पूरा मौका दिया जा रहा है। इसके लिए आखिरी तारीख भी तय कर दी गई है।

प्रशासन की गाइडलाइन के मुताबिक, स्कूल प्रशासन को 7 जुलाई 2026 तक का समय दिया गया है। इस अवधि के भीतर उन्हें अपने वाहनों की फिटनेस, परमिट, इंश्योरेंस और प्रदूषण प्रमाण पत्र जैसे सभी महत्वपूर्ण कागजात हर हाल में ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट या रिन्यू करा लेने होंगे।

वाहन पोर्टल पर ऑनलाइन चेक करें स्टेटस (Status Check)

वाहन मालिक आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने वाहन की फिटनेस काstatus checkकर सकते हैं। यदि परमिट या फिटनेस की अवधि समाप्त हो चुकी है, तो वे तुरंतapply onlineमोड के जरिए इसके नवीनीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि 7 जुलाई की शाम तक सभी कमियों को दूर कर लिया जाना चाहिए, अन्यथा इसके बाद कोई राहत नहीं मिलेगी।

8 जुलाई से होगी बड़ी कार्रवाई: नियमों का उल्लंघन करने वाले व

यदि आप सीतापुर में किसी स्कूल वाहन का संचालन करते हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। एआरटीओ सर्वेश चतुर्वेदी ने दोटूक शब्दों में कहा है कि पहले चरण की समय सीमा समाप्त होने के अगले ही दिन यानी 8 जुलाई 2026 से व्यापक स्तर पर चेकिंग और जब्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

नियमों का उल्लंघन करने वाले और बिना परमिट के सड़कों पर दौड़ने वाले स्कूली वाहनों को तुरंत सीज कर दिया जाएगा। इसके साथ ही वाहन मालिकों पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। प्रशासन इस बार किसी भी दबाव या सिफारिश को स्वीकार नहीं करने के मूड में है।

क्या होगी दंडात्मक कार्रवाई?

>> बिना फिटनेस के पाए जाने वाले वाहनों पर 5,000 से लेकर 10,000 तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

>> अवैध रूप से संचालित वैन और बसों को तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में सीज किया जाएगा।

>> बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों की एनओसी (NOC) रद्द करने की सिफारिश भी की जा सकती है।

जिस तरह कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट पर रहता है, ठीक वैसे ही परिवहन विभाग भी सक्रिय है। जैसे हाल ही में पुलिसिया कार्रवाई के तहत एककिराना दुकान में टॉफी के साथ बिक रहा था गांजा और बीयर, पुलिस का छापा!जैसी बड़ी कार्रवाई देखने को मिली थी, उसी तत्परता से अब यातायात नियमों को तोड़ने वालों पर नकेल कसी जा रही है।

अभियान के लिए सात विशेष टीमों का गठन: जानें किस अधिकारी को म

मिशन सेफ फ्यूचर को जमीनी स्तर पर पूरी तरह से सफल बनाने के लिए सीतापुर परिवहन विभाग ने एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की है। इसके तहत पूरे जिले को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटकर कुल 7 विशेष जांच टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों में तेजतर्रार अधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

सभी नियुक्त अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें और हर एक स्कूली वाहन की सूक्ष्मता से जांच करें। इन अधिकारियों की सूची और उनके कार्यक्षेत्र की पूरीlistतैयार कर ली गई है, जो इस प्रकार है:

क्षेत्रवार अधिकारियों की तैनाती सूची (Official Duty List)

>> सिधौली क्षेत्र:पीटीओ (PTO) एम.ए. आबिदीन को कमान सौंपी गई है।

>> लहरपुर क्षेत्र:आरआई (RI) संजय कुमार को जांच की जिम्मेदारी दी गई है।

>> बिसवां क्षेत्र:अनिल सागर को इस क्षेत्र का जिम्मा मिला है।

>> सीतापुर मुख्यालय:अंशुमान सिंह तोमर और रवि को संयुक्त रूप से तैनात किया गया है।

>> महोली क्षेत्र:रोहित यादव इस क्षेत्र के वाहनों की जांच करेंगे।

>> महमूदाबाद क्षेत्र:संदीप गुप्ता को इस ब्लॉक की जिम्मेदारी दी गई है।

>> मिश्रिख क्षेत्र:मयंक सिंह को मिश्रिख क्षेत्र का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

सीतापुर के 171 विद्यालयों पर प्रशासन की नजर: 697 स्कूली वाहन

परिवहन विभाग से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में सीतापुर जिले के भीतर कुल 171 पंजीकृत विद्यालय हैं, जिनके द्वारा स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने का काम किया जाता है। इन सभी 171 विद्यालयों द्वारा कुल मिलाकर 697 स्कूली वाहनों का संचालन किया जा रहा है।

विभाग ने इन सभी 697 वाहनों की एक कंपाइलPDFसूची तैयार की है। इस सूची के आधार पर प्रत्येक वाहन का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। प्रशासन का मुख्य फोकस इस बात पर है कि क्या इन वाहनों में बच्चों की सुरक्षा से जुड़े जरूरी इंतजाम जैसे - फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशामक यंत्र (Fire Extinguisher), और इमरजेंसी एग्जिट (Emergency Exit) मौजूद हैं या नहीं।

स्कूलों को जारी किया गया कड़ा नोटिस

सभी 171 स्कूलों के कप्तानों और प्रबंधकों को विभाग की ओर से नोटिस भेज दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच का दायरा केवल बड़े स्कूलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्रामीण इलाकों में चल रहे छोटे स्कूलों के वाहनों की भी उतनी ही कड़ाई से जांच की जाएगी।

सोशल मीडिया और खबरों की दुनिया में जहां एक तरफ मनोरंजन जगत की खबरें जैसे कनिक्की तंबोली का 29वां बर्थडे: अरबाज संग वो इंटीमेट तस्वीरें हुईं वायरल, फैंस बोले - हनीमून है क्या? ट्रेंड करती रहती हैं, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय प्रशासन का यह कदम आम जनता और बच्चों के भविष्य से जुड़ा एक बेहद गंभीर और सराहनीय विषय है।

अभियान का पहला दिन: एआरटीओ ने कई स्कूलों में किया वाहनों का

मिशन सेफ फ्यूचर के पहले ही दिन परिवहन विभाग पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आया। एआरटीओ प्रशासन सर्वेश चतुर्वेदी ने स्वयं अपनी टीम के साथ सीतापुर शहर और उसके आसपास के कई प्रतिष्ठित विद्यालयों का औचक निरीक्षण (Surprise Inspection) किया।

निरीक्षण के दौरान एआरटीओ ने स्कूल परिसरों में खड़ी बसों और वैनों की शारीरिक स्थिति, उनके टायरों की कंडीशन, और चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस की बारीकी से जांच की। पहले दिन की जांच में कई वाहनों में छोटी-मोटी कमियां पाई गईं, जिन्हें लेकर स्कूल प्रबंधन को सख्त हिदायत दी गई है।

पहले दिन की जांच में क्या कमियां मिलीं?

अधिकारियों के मुताबिक, कुछ वाहनों में स्पीड गवर्नर (Speed Governor) सही तरीके से काम नहीं कर रहे थे, जबकि कुछ वैनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने की शिकायतें भी सामने आईं। एआरटीओ ने स्पष्ट किया कि पहले चरण में केवल चेतावनी दी जा रही है, लेकिन दोबारा कमी मिलने पर वाहन सीधे सीज होंगे।

बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं: प्रशासन की इस अहम पहल

निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि सीतापुर जिला प्रशासन और परिवहन विभाग द्वारा शुरू किया गया मिशन सेफ फ्यूचर बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए एक बेहद आवश्यक कदम है। अक्सर देखा जाता है कि अनफिट और डग्गामार स्कूली वाहनों के कारण बड़े हादसे हो जाते हैं। ऐसे में समय रहते की जा रही यह कार्रवाई बेहद सराहनीय है।

इस अभियान का असर अभी से ही जिले में देखने को मिलने लगा है। स्कूल प्रबंधकों ने आनन-फानन में अपने वाहनों को गैरेज में भेजकर उनकी मरम्मत करानी शुरू कर दी है, साथ ही आरटीओ कार्यालय में फिटनेस सर्टिफिकेट रिन्यू कराने के लिए कतारें लगनी शुरू हो गई हैं। अभिभावकों ने भी प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि यह अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

सीतापुर में स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा मिशन सेफ फ्यूचर (Mission Safe Future) अभियान चलाया जा रहा है।

एआरटीओ प्रशासन के अनुसार, सभी स्कूलों को अपने वाहनों के फिटनेस, परमिट और अन्य दस्तावेज दुरुस्त करने के लिए 7 जुलाई 2026 तक का समय दिया गया है।

अल्टीमेटम की अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद, यानी 8 जुलाई 2026 से दोषी और अनफिट वाहनों को सीज करने तथा उन पर जुर्माना लगाने की बड़ी कार्रवाई शुरू होगी।

जिले के अलग-अलग क्षेत्रों (ब्लॉक स्तर पर) में स्कूली वाहनों की गहन चेकिंग के लिए कुल 7 विशेष जांच टीमों का गठन किया गया है।

सीतापुर जिले के कुल 171 विद्यालयों द्वारा संचालित किए जा रहे सभी 697 स्कूली वाहन इस विशेष जांच अभियान के सीधे रडार पर हैं।

हाँ, वाहन मालिक परिवहन विभाग के आधिकारिक वाहन पोर्टल पर जाकर अपने वाहन का ऑनलाइन फिटनेस और परमिट स्टेटस (Status Check) आसानी से देख सकते हैं।

सिधौली क्षेत्र में पीटीओ एम.ए. आबिदीन और लहरपुर क्षेत्र में आरआई संजय कुमार को जांच करने का जिम्मा सौंपा गया है।

हाँ, समय सीमा समाप्त होने से पहले स्कूल प्रबंधक परिवहन विभाग की वेबसाइट पर जाकर नए सर्टिफिकेट के लिए Apply Online कर सकते हैं।